फैमिलीज़ ऑफ़ जॉय फाउंडेशन

एडॉप्शन की नयी सोच

HAMA के तहत गोद लेने से बचिए

भारत में गोद लेने के लिए दो कानून है – एक है HAMA और दूसरा है JJ एक्ट. अभी तक ज्यादातर एडॉप्शन HAMA के अंदर ही होते हैं हालांकि JJ एक्ट अब एक काफी सशक्त कानून बन गया है किंतु उसके अंदर हुए एडॉप्शन अभी भी सीमित ही है इसके कई कारण है

HAMA एक पुराना कानून है जो कि केवल हिंदुओं को एक हिंदू बच्चा गोद लेने के प्रावधान लगता है बच्चे के माता पिता परवरिश स्वास्थ्य इत्यादि का इसमें कोई सुरक्षा नहीं होती. इसके विपरीत JJ एक्ट में गोद लेने के लिए कड़ी जांच पड़ताल है, कई विभाग इसके लिए काम करते हैं और बहुत लंबी प्रतीक्षा सूची भी है. हैरत की बात यही है कि JJ एक्ट में इतनी सुरक्षा जांच पड़ताल होने के बावजूद अधिकतर माता-पिता HAMA के अंतर्गत ही बच्चा गोद लेना चाहते हैं क्योंकि इसमें ज्यादा खोजबीन व सरकारी हस्तक्षेप नहीं है. इन्हीं कारणों की वजह से आपको पता होना चाहिए कि हवा में गोद लेने से क्या समस्याएं आ सकती है:

1. यदि आप यह स्थापित नहीं कर पाते के बच्चा या उसके माता-पिता हिंदू हैं तो HAMA में की गोद प्रक्रिया अमान्य होगी
2. HAMAहमा के अंतर्गत आप यह कभी भी सुनिश्चित नहीं कर पाएंगे कि बच्चे का स्वास्थ्य परवरिश या पृष्ठभूमि कैसी रही है
3. HAMA में माता पिता के कोई गृह-अध्ययन, शोध अथवा जांच का प्रावधान नहीं है. यह मुमकिन है गोद लेने के पश्चात जन्म माता पिता आपके दरवाजे तक पहुंच जाएं और आपके परिवार में दखल दे.
4. HAMA में गोद लेने पर कोई अदालती कार्यवाही अनिवार्य नहीं है. यदि गोद लेने के पश्चात कोई कोर्ट आर्डर प्राप्त नहीं है तो बच्चे के अधिकार असुरक्षित रह जाते हैं.
5. HAMA के अंदर किसी सरकारी विभाग हस्तक्षेप ना होने के कारण यह संकट हमेशा बना रहता है कि कहीं अनजाने में ही सही आप बाल शोषण के भागीदार तो नहीं बन रहे.
6. क्योंकि HAMA के अंदर गोद के लिए उपलब्ध बच्चों की कोई सूची नहीं होती है इसलिए आमतौर पर आपको किसी बिचौलिए या दलाल को मध्यस्थ रखकर ही बच्चा गोद लेना होता है - यह बहुत मुमकिन है यह व्यक्ति पेशेवर मध्यस्थता करता हो. इससे आपके और आपके बच्चे के हितों की रक्षा होनी मुश्किल हो जाती है

फैमिलीज़
ऑफ़ जॉय
फाउंडेशन

एडॉप्शन की नयी सोच

7. HAMA के अंदर गोद लिए अधिकांश बच्चों के माता-पिता एडॉप्शन को गुप्त ही रखते हैं - यह बच्चे के विकास और पहचान के लिए अनुचित है. आगे चलकर इसमें कई समस्याएं आ सकती हैं
8. HAMA एक अनौपचारिक, शीघ्र और जुगाडू तरीका जरूर हो सकता है किंतु सुरक्षित नहीं. JJ एक्ट के अंदर प्रतीक्षा काफी लंबी हो सकती है किंतु आपके और आपके बच्चे के हित सदैव सुरक्षित रहेंगे
9. JJ एक्ट सर्वधर्म मान्य है और उसके प्रावधान भी काफी सकारात्मक है. भविष्य में कोई कानूनी या कागजी कार्यवाही करनी हो तो सरकार JJ एक्ट को ही मान्यता देगी ना कि HAMA को.
10. दुर्भाग्यवश यदि गोद लेने के पश्चात आप को किसी समस्या या चुनौती का सामना करना पड़े तो HAMA में किसी तरह की मदद का कोई प्रावधान नहीं है. इसके विपरीत JJ एक्ट में बच्चे के हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रावधान हैं जिससे उसका भविष्य सुरक्षित किया जा सके.

समय के साथ चलिए. बच्चे को स्वीकार करें , उसका चयन ना करें. बच्चों को एडॉप्शन के बारे में पूरे सच से अवगत कराएं, और अपने परिवार को खुशहाल बनाएं. यह तभी संभव है जब आप JJ एक्ट जैसी पारदर्शी, सर्व सम्मिलित, मापदंडी कानून का पालन करें ना कि HAMA आज ऐसे पुराने गैर मतलबी कानून का.